संख्या-635/2017/347/22-2-2017-17(367)/2009

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 10 अगस्त, 2017***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी हरवीर पुत्र श्री रामशरण निवासी जनपद-मेरठ हाल जिला फरीदाबाद (हरियाणा) की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-42941/प्रोबे0-5-द0या0 बैठक-28.10.2016 दिनांक 02.12.2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी हरवीर पुत्र श्री रामशरण, निवासी-अहमदपुरी, थाना-परीक्षितगढ़, जनपद-मेरठ हाल पता-ग्राम-एत्मादपुर, थाना-सैक्टर,30, फरीदाबाद (हरियाणा) का रहने वाला है। बन्दी द्वारा मुकदमेंबाजी की रंजिश को लेकर दिनांक 31.10.1977 को 07 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर चाकूओं से मारकर 01 व्यक्ति की हत्या कर अपराध कारित किया गया है। उक्त अपराध के लिए बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-70/1978 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302/149 के अन्तर्गत मा0 षष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मेरठ के आदेश दिनांक 05.12.1979 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 25.02.2003 द्वारा धारा-302/149 से 302/34 में परिवर्तित कर आजीवन कारावास की सजा को बहाल रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 28.08.2016 तक 12 वर्ष 05 माह 03 दिन की अपरिहार सजा तथा 16 वर्ष 06 माह 24 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी के 04 अन्य सहअभियुक्त मा0 न्यायालय द्वारा दोषमुक्त, 01 अन्य सहअभियुक्त की मृत्यु तथा 02 अन्य सहअभियुक्त कारागार में सजा भुगत रहे हैं। पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा कारित अपराध की प्रकृति, काटी गयी सजा, जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत सम्यक विचारोपरान्त बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी हरवीर (बन्दी संख्या-9443) पुत्र श्री रामशरण, निवासी-जनपद-मेरठ हाल जिला-फरीदाबाद (हरियाणा) की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-635/2017/347/(1)/22-2-2017 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मेरठ।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in